



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 421]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 3, 1988/श्रावण 12, 1910

No. 421]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 3, 1988/SRAVANA 12, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1988

अधिसूचना

सं. 239/88—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.निं. 833(अ) :—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस पद्धति
के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की
धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण के सम्बन्ध में (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण

न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, उत्पाद-शुल्क केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 40 के अन्तर्गत आने वाली रबर की वस्तुओं और साइकिलों तथा साइकिल रिक्शाओं के उप-साधनों पर 28 फरवरी, 1986 से प्रारम्भ होने वाली और 19 मई, 1987 को समाप्त होने वाली कालावधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11-ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशित करती है कि ऐसी रबर की वस्तुओं और साइकिलों तथा साइकिल रिक्शाओं के उप-साधनों पर उक्त अधिनियम के अधीन संदेय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क, यदि उक्त पद्धति न होती, ऐसी रबर की वस्तुओं और साइकिलों और साइकिल रिक्शाओं के उप-साधनों के सम्बन्ध में जिन पर उक्त उत्पाद-शुल्क पूर्वोक्त कालावधि के दौरान उक्त पद्धति के अनुसार उद्ग्रहित नहीं किया जा रहा था, संदेय किए जाने के लिए अपेक्षित नहीं होगा।

एस.सी. जाना, अवर सचिव

[फा.सं. 99/13/87-सी. एक्स-3]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 3rd August, 1988

NOTIFICATION

No. 239/88-Central Excises

G. S. R. 833 (E) :—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on rubber parts and accessories of cycle rickshaws, falling within Chapter 40 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3 of the first-mentioned Act during the period commencing on the 28th February, 1986 and ending with the 19th May, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on such rubber parts and accessories of cycles and cycle rickshaws, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such rubber parts and accessories of cycle and cycle rickshaws, on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 99/13/87-CX. 3]

S. C. JANA, Under Secy.

